

२७ ^७/_{२५} पत्रावली पेसाहुई । वकी

दुख > अधिवक्त) एपठ। वादी अधिवक्त
द्वारा प्रार्थना पर पञ्चुट कर
गमै वाय अनुकरी वाय विद्राकसे
हुनिवेदन डिमा गमा। प्रार्थना पर
स्वीकार किया जाकर शामिल
पत्रावली डिमा गमा। पत्रावली
फेराभ सुमार होकर नम्बर से
कम हो। वाय प्रति दाजिल
फर हो।

gham
वर्तमान कलकट (ए. ए. ए.)
अधिकारी, वकील
वकील राजमन्तक

नाम...
...
...
...